<u>प्रेस नोट</u>

टेक्सटाइल मज़दूर चन्द्रशेखर को इंसाफ़ दिलाने के लिए मेहरबान (लुधियाना) के मज़दूरों की हड़ताल आज भी जारी रही, तीन नम्बर डिवीजन थाने का घेराव किया

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई का भरोसा दिया, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं, कल भी हड़ताल जारी रहने की सम्भावना

17 जुलाई 2014, लुधियाना। कारखाना मालिक व पुलिस के जुल्म के शिकार टेक्सटाइल मज़दूर चन्द्रशेखर के पक्ष अभी तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है।चन्द्रशेखर को इंसाफ़ दिलाने के लिए मेहरबान इलाके के दो दर्जन से भी अधिक कारखानों में आज भी हड़ताल रही। मेडीकल रिपोर्ट न सौंपने के खिलाफ़ आज पहले सिविल अस्पताल पर प्रदर्शन की योजना थी लेकिन यूनियन कमेटी ने फैसला बदलते हुए डिवीजन नं 3 पुलिस थाने पर धरना लगाया। मौके पर पहुँचे असिस्टेंट कमिश्नर आफ पुलिस (सेन्ट्रल) ने कहा कि सिविल अस्पताल से चन्द्रशेखर के मेडीकल की रिपोर्ट मँगवाने के लिए पुलिस मुलाजिमों को भेज दिया गया है और आज ही केस दर्ज करके मोदी वूलन मिल, मेहरबान के मालिक को गिरफतार कर लिया जागा। पुलिस अधिकारियों के इस भरोसे के बाद धरना उठा लिया गया लेकिन जब तक कार्रवाई नहीं होती तब तक हड़ताल जारी रखने का ही फैसला किया गया है। यह रिपोर्ट लिखे जाने तक पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई की जानकारी नहीं मिली है।

टेक्सटाइल मज़दूर चन्द्रशेखर को मोदी वूलन मिल के मालिक ने 14 जुलाई को झूठा मामले में पहले तो थाने में बन्द करवाया और फिर थाने में पुलिस के सामने खुद बुरी तरह से पीटा। इस मारपीट में उसके नाक की हड्डी टूट गई व आँख के ऊपरी हिस्से में गम्भीर चोट आई है। मालिक ने पुलिस से मिलीभगत से चन्द्रशेखर पर जो जुल्म किया उसने मेहरबान इलाके के पावरलूम मज़दूरों को रोष से भर दिया और 14 जुलाई की शाम से चन्द्रशेखर को इंसाफ़ दिलाने के लिए कारखाने बन्द करके हड़ताल पर बैठे हैं।

लुधियाना के कारखानों में मज़दूरों को दासों की तरह रखा जाता है। उन्हीं कोई कानूनी अधिकार हासिल नहीं होता। गाली-गालौज, मारपीट आम बात है। चन्द्रशेखर के साथ हुए जुल्म इसकी एक उदाहरण है। चन्द्रशेखर को इंसाफ़ दिलाने की लड़ाई वास्तव में सभी मज़दूरों के हक, अधिकार, आत्मसम्मान की रक्षा की लड़ाई है।

मेहरबान इलाके के मज़दूरों ने हर हाल में चन्द्रशेखर पर जुल्म करने वाले कारखाना मालिक व पुलिस मुलाजिमों को सजा दिलाने की ठान रखी है ताकि बाकी के मालिक भी चेत जाएँ और मज़दूरों के साथ बेइंसाफ़ी बन्द करें।

आज डिवीजन नं 3 थाने पर हुए धरने में कारखाना मज़दूर यूनियन, पंजाब व नौजवान भारत सभा ने भी भागीदारी की। कारखाना मज़दूर यूनियन के संयोजक लखविन्दर व नौजवान भारत सभा की पंजाब इकाई के संयोजक छिन्दरपाल ने धरने को सम्बोधित करते हुए कहा कि मज़दूरों के इस संघर्ष में उनके संगठन डटकर साथ देंगे।

- राजविन्दर,
अध्यक्ष, टेक्सटाइल-हौज़री कामगार यूनियन, पंजाब।
फोन - 9888655663